शोध मंथन Vol. XIII No.IV Oct.-Dec. 2022 ISSN: (P) 0976-5255 (e) 2454-339X
Impact Factor 8.783 (SJIF)

नई शिक्षा नीति–2020 के अनुसार शिक्षण के पारम्परिक से आधुनिक दृष्टिकोण के लिए प्रतिमान बदलाव

प्राप्तिः 22.12.2022
स्वीकृतः 28.12.2022

106

डॉ० महेन्द्र कुमार
असिस्टेंट प्रोफेसर, भूगोल विभाग
राजकीय महाविद्यालय, कासगंज
ईमेलः *kumarmahendra070@gmail.com*

सारांश

भारतीय शिक्षा प्रणाली में लम्बे समय के बाद 'नई शिक्षा नीति 2020' में भारत को सम्पूर्ण शैक्षिक संरचना में अमूल–चूल परिवर्तन कर जिसमें अपने छात्रों और शिक्षकों को महान ज्ञान से लैस करके भारत को ज्ञान महाशक्ति बनाना है योग्यता और कौशल NEP-2020 प्राथमिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा एवं उच्च शिक्षा के माध्यम से छात्रों में नवोन्मेशी, आलोचनात्मक सोच, रचनात्मक सोच, कौशलपरक अनुभवात्मक, बहुविषयक दृष्टिकोण, बहुभाषावाद, मूल्यपरक, मूल्यांकन एवं एकीकृत गुणों का विकास कर भारत को एक ज्ञान महाशक्ति बनाना है।

जहाँ पहले छात्रों को इंजीनियरिंग, मेडीकल, कानून, विज्ञान, वाणिज्य, कला आदि संकायों में प्रतिबन्धित कर उन्हें सीमाओं में बाँध दिया जाता था। नई शिक्षा नीति–2020 में न केवल इन सीमाओं के बन्धन को तोड़ा गया है। बल्कि उदारीकरण के दौर में जहाँ पूरा विश्व एक गाँव है। वहाँ अब U.S.A. और यूरोप के देशों की उच्च गुणवत्ता वाले विश्वविद्यालय भी व भारत में अपने कैम्पस खोल सकेंगे, जिससे भारतीय छात्रों को विदेशी शिक्षा के लिए दूसरे देशों में जाने की जद्दोजहद से छुटकारा मिलेगा। बल्कि भारत का प्रत्येक व्यक्ति oxford, कोलम्परि जैसे विश्वविद्यालयों की डिग्री प्राप्त कर सकेगा वो भी भारत में रहकर अर्थात् अब विदेशी उच्च शिक्षा की प्राप्ति में आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति भी प्राप्त कर सकेगा और अपना विकास कर आर्थिक असमानता को समाप्त कर भारत को विश्व का सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र बनाने में सहयोग करेगा।

शिक्षा स्वतन्त्रता के स्वर्णिम द्वार खोलने की कुंजी है, शिक्षा राष्ट्र की आत्मा है, नींव और किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी गुणवत्ता पर निर्धारित होता है शिक्षा जो सरकार प्रशासन शिक्षकों छात्रों द्वारा संचरित और कार्यान्वित की जाती है उस देश की सरकार शिक्षा, नीति, शैक्षिक संरचना और उसके तरीकों को निर्धारित करता है। कार्यान्वयन यह राष्ट्र को आकार देता है आने वाले दिनों और अच्छी तरह से संरचित होने का मार्ग प्रशस्त करता है। राष्ट्र के लिए शिक्षा प्रणाली जो इसके निहितार्थ को सुनिश्चित करती है, जमीनी स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति देश में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए तैयारी और सभी को शिक्षा सुविधा प्रदान करने पर केन्द्रित है। राष्ट्र के नागरिक राष्ट्रीय शिक्षा–1986 के बाद एक लम्बे समय (35 वर्षो) के बाद NEP-2020 के रूप में व्यापक बदलाव कर जिसका उद्देश्य भारत को ज्ञान महाशक्ति बनाना है। अपने छात्रों और शिक्षकों को संसाधनों से सुसज्जित करके ज्ञान, क्षमताएं और कौशल का विकास कर भारतीय युवा जनसंख्या को एक कुशल मानव संसाधन में बदलना NEP-2020 में

प्राथमिक से माध्यमिक स्तर तक शिक्षा का सारभूमिकरण करना और उच्च शिक्षा संस्थान प्रत्येक का लक्ष्य एक बहुविषयक संस्था बनाना है। जिसमें 3000 से अधिक छात्र हों और उन छात्रों को विषय चयन में अधिक से अधिक विकल्प प्राप्त हो सकें। 2030 तक प्रत्येक जिला में कम से कम एक बड़ा बहुविषयक संस्थान होगा जो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करेगा।

NEP-2020 से आधुनिक दृष्टिकोण की आवश्यकता

नई शिक्षा नीति में स्नातक और परास्नातक स्तर पर कोर्स की संरचना में सम्पूर्ण परिवर्तन हुआ है जहाँ पहले शिक्षा प्रणाली अंकोन्मुख थी और ज्ञान प्रतिभा की बजाय प्रमाण–पत्र केन्द्रि हो जाता था। अब विद्यार्थी संकायों से मुक्त व अंकों की सभी बाधाओं को दूर करने पर केन्द्रित है। विद्यार्थी की समग्र शिक्षा सभी क्षेत्र में हो सके। खेल, शिक्षा, व्यवसायियक शिक्षा को समान महत्व दिया गया है।

Course Structure

	Credit 3 years	**Credit 4 years**
Major (one)	60	80
Minor	24	32
Interdisciplinary/Multidisciplinary	09	09
Ability Enhancement	08	08
Skill Development	09	09
Value Added	06-08	06-08
Internship	02-04	02-04
Research	--	12
Total Credits	**120**	**160**

Major – Credit 4

Minor/Interdisciplinary/Skill etc. – Credit 3

Value Added – Credits 2

NEP-2020 में भारतीय शिक्षा प्रणाली को विश्व स्तरीय गुणवत्ता युक्त बनाने के लिए आधारभूत सुविधाओं के विकास के साथ–साथ उच्च शिक्षण संस्थानों को Digital India Movement के साथ जोड़ कर Online Education के लिए Smart Class आदि से संरचनात्मक सुधार हो रहे हैं और भी होने हैं। अब सम्बद्धता के स्थान पर स्वयतता पर ध्यान केन्द्रित है। शिक्षा के क्षेत्र में देश में संस्थागत सुधारों में पूरे देश में एक जैसी शिक्षा प्रणाली होगी इसके अतिरिक्त महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, तकनीकी संस्थानों का आपस में MOU करके एक दूसरे से जोड़ने का प्रयास है जिससे छात्रों का कौशल विकास 10 + 2 + 3 पूरा होने के साथ ही चला रहे। देश के युवाओं का सर्वांगीण विकास हो सके।

NEP-2020 में भारतीय शिक्षा प्रणाली को Moocs Platform के द्वारा Swayam जिसमें भारत की विभिन्न संस्थाओं जैसे CEC, IGNOU, IHB, NCERT, NIOS, NITTTR, NPTEL आदि से शिक्षक और छात्र अपनी सुविधा के अनुसार तकनीकी, व्यवसायिक, मेडीकल, कानून आदि से सम्बन्धित कोर्स कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त शिक्षक कोर्स को विकसित कर सकता है। सम्बन्धित कोर्स का पाठ्यक्रम online होगा और class भी डिजिटल तरीके से होगी Exam और Evaluation सब कुछ online

माध्यम से कोर्स किया जा सकेगा। नई शिक्षा नीति में विदेशी संस्थानों की फ्रेंचाइजी कैम्पस भारतीय विश्वविद्यालयों के लिए खोल दिए गये हैं। जिससे भारतीय युवाओं को शिक्षा के क्षेत्र में विकल्पों की विविधता और भी अधिक हो जायेगी वो भी अपने ही देश के अन्दर अब भारतीय शिक्षण संस्थाओं को विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सीधी प्रतिस्पर्धा रहेगी जिससे संस्थाओं की गुणवत्ता विदेशी विश्वविद्यालय के समकक्ष रखना आवश्यक और मजबूरी भी बन जायेगी। इसी कारण शिक्षक और छात्रों को आधुनिक शिक्षा प्रणालियों के आधुनिक उपकरणों, माध्यमों, के साथ प्रतिदिन नवीनीकृत रहना होगा।

NEP-2020 से मूल्यांकन की संस्कृति बदलना है। मूल्यांकन का उद्देश्य छात्रों को बढ़ावा देना होगा यह सीखना समग्र 360 डिग्री हों जो उनके प्रतिबिम्बित करता है। संरचनात्मक भावात्मक और मनोप्रेरणा क्षेत्र की प्रगति रिपोर्ट कार्ड छात्रों को आंकने के लिए अब नम्बर के बजाय ग्रेड प्रणाली को अपनाया गया है। परीक्षा में विशेष रूप से बुनियादी साक्षरता, संख्यात्मकता और अन्य का परीक्षण कर मूलभूत कौशल नया सॉफ्टवेयर होगा। इसके माध्यम से छात्र के प्रदर्शन को एक करने के लिए छात्र–अभिभावक के मध्य समन्वय जिससे प्राइवेट कोचिंग संस्थान बन्द हों और उच्च शिक्षा स्तर पर NTA (National Testing Agency) उच्च गुणवत्ता वाली सामान्य योग्यता प्रदान करने के लिए काम करेगी।

edit 4 years
80
32
09
08
09
06-08
02-04
12
160

NEP-2020 के अनुसार पारम्परिक शिक्षण प्रणाली के आधुनिकीकरण में बाधायें

नई शिक्षा नीति ने हमारी शिक्षा प्रणाली को एक वैश्विक दृष्टि दी है पर इसे लागू करने में कई चुनौतियाँ हैं। चाहे पढ़ाई कर रहे हो प्राथमिक से माध्यमिक स्तर तक का स्वरूप बदल गया है। बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इस नीति के लिए सबसे महत्वपूर्ण बाते हैं। शिक्षकों के प्रशिक्षण और उनकी गुणवत्ता, बेहतरी के लिए आवश्यक बन गया है। तभी प्राथमिक स्तर पर निपुण भारत मिशन प्रभावी ढंग से लागू हो पायेगा। माध्यमिक स्तर पर भी ओरियेन्टेशन और रिफ्रेशर जैसे कोर्स शिक्षकों को कराये जाने चाहिए। उच्च शिक्षा में पहले उच्च शिक्षण संस्थानों में NEP-2020 से सम्बन्धित आधारभूत सुविधाओं को जितनी जल्दी हो सके। उतनी जल्दी विकसित करने के लिए आवश्यक बजट उपलब्ध कराया जाये। महाविद्यालयों में कोर्स की विविधता को बढ़ाने पर जोर दिया जाना चाहिए। संस्थानों में शोध कार्य को बढ़ावा देने के लिए प्रयोगशाला सज्जा व आर्थिक बजट को बढ़ाना चाहिए। परीक्षा में MCQ, लघुउत्तरीय, दीर्घउत्तरीय, अति दीर्घ उत्तरीय सभी प्रकार के प्रश्नों का समावेश होना चाहिए। जिससे छात्रों की क्षमताओं का उचित मूल्यांकन हो सके। छात्र और शिक्षक अनुपात को भी सही से व्यवस्थित करना चाहिए। प्रमुख मुद्दे जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए दूरदर्शिता में बाधा उत्पन्न कर रही है। इनका निराकरण कर हम नयी शिक्षा नीति के भावी लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे।

निष्कर्ष

NEP-2020 की नीतियाँ तो काफी प्रभावशाली हैं। इनमें कोई कमी नहीं है कि भारतीय शिक्षा प्रणाली को विश्व की सर्वश्रेष्ठ बना सके। लेकिन जरूरत है इसके प्रभावी क्रियान्वयन की क्योंकि क्रियान्वयन ही सफलता की कुंजी है। शीर्ष नियन्त्रण संगठनों के प्रमुख की इच्छा शक्ति और अधिकारी, शिक्षकों के सम्मिलित प्रयास व देश के शीर्ष नेतृत्व द्वारा शिक्षा क्षेत्र में पर्याप्त बजट समय पर प्रदान कराने से इसकी सफलता से भारत निःसन्देह ही एक ज्ञान महाशक्ति बन जायेगा और भारत एक सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर दृष्टिगत होगा।

संदर्भ

1. (2020). New Education Policy. A Paradigm Shift. (2020 Exptomberly). https://www.4thestat.news/new-educationpolicy-2020.
2. (2020). National Education Policy. Ministry of Human Resource & Development : Govt. of India.
3. (2020). NEP. A paradigm Shift in learning. 5 Spet. Reviewed. 18 June. 2022. From Times of India Blog : https://timesofindia.indiatimes.com/blogs/vioices/nep-2020-aparadigm-shift-in-learning/.
4. (2022). The National Education Policy. A Paradigm Shift in the Indian Education System. MBA Study (N.D.). 18 June.